

प्रेषक

पी0सी0शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में

निदेशक,
राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग,
पी0आई0पी0 हैंगर,
जौलीग्राम एअरपोर्ट,
देहरादून ।

नागरिक उड्डयन विभाग

देहरादून दिनांक 12 ~~सितम्बर~~ ^{नवम्बर} 2007

विषय:-

भ्रमण कार्यक्रम के दौरान पाबो, जनपद पौड़ी में हेलीकाप्टर दुर्घटना के दौरान क्षतिग्रस्त मेन रोटर ब्लेडों के रिपेयर के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या-811/राजनाउडनि0/आई0-5/2007 दिनांक

11 अक्टूबर 2007 तथा पूर्व निर्गत शासनादेश संख्या-180/ix(25)/अनुक्षण/EC-135/जौलीग्राम-2005-08 दिनांक 26 सितम्बर 2007 के काम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य के विशिष्ट व्यक्तियों के भ्रमण कार्यक्रम को सम्पादित करने के दौरान दिनांक 19-6-2007 की प्रातः राजकीय इंटर कालेज पाबो जनपद पौड़ी में निर्मित अस्थाई हेलीपैड से अपने गन्तव्य स्थान से उड़ान भरते समय निकट के विद्युत पोल लाईन से टकरा जाने तथा इंगरजेन्सी लैन्डिंग के दौरान राजकीय हेलीकाप्टर EC-135 के मेन रोटर ब्लेड क्षतिग्रस्त होने के फलस्वरूप राज्य के विशिष्ट व्यक्तियों की हवाई यात्राओं के निर्बाध सम्पादन हेतु तात्कालिक आवश्यकता के रूप में हेलीकाप्टर पर लगे हुये 04 मेन रोटर ब्लेडों की मरम्मत हेतु शासनादेश संख्या-180/ix(25)/अनुक्षण/EC-135/जौलीग्राम-2005-08 दिनांक 26 सितम्बर 2007 द्वारा यूरो 35920 रागतुल्य भारतीय मुद्रा में 60/-की दर से रु0 23,35,200.00 (रुपये तीस लाख पैंतीस हजार दो सौ मात्र) की धनराशि स्वीकृत की गई थी, जिसमें तीन ब्लेडों की मरम्मत योग्य होने तथा एक ब्लेड संख्या-1659 के मरम्मत योग्य न होने के कारण अब इसके स्थान पर 1078.96 घंटे प्रयोग की गई एक पुरानी ब्लेड कम संख्या-323 को क्रय करने की प्रशासनिक स्वीकृति का साथ ही पूर्व में शासनादेश संख्या-180/ix(25)/अनुक्षण/EC-135/जौलीग्राम-2005-08 दिनांक 26 सितम्बर 2007 द्वारा ब्लेड संख्या-1659 हेतु स्वीकृत धनराशि यूरो 9140 अर्थात् भारतीय मुद्रा में 60/-प्रति यूरो की दर से 5,48,400 को सम्मिलित करते हुये निर्माता फर्म में 0 यूरोकाप्टर

जर्मनी के भारत में स्थित अधिकृत प्रतिनिधि ने 0 सोफेना हैलीकॉप्टर प्रा० लि० नई दिल्ली द्वारा प्रेषित आगमन के आधार पर यूरो 78276 समतुल्य धनराशि भारतीय मुद्रा में रु० 60/प्रति यूरो की दर से रु० 46,96,560/ (रूपये छियालीस लाख छियान्चै हजार पाँच सौ साठ मात्र) एच कय प्रक्रिया पर करस्टन क्लीयरेंस, ट्रान्सपोर्टेशन एवं हैंडलिंग आदि पर नियमानुसार होने वाले व्यय को वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 में आपके निर्वहन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के इस शर्त के साथ प्रदान करते हैं कि इसका व्यय प्रस्तर-2 में उल्लिखित विवरणानुसार निर्वहन पर रखी गयी धनराशि से ही किया जायेगा।

2- उपरोक्त धनराशि यूरो 78276 समतुल्य धनराशि भारतीय मुद्रा में रु० 60/प्रति यूरो की दर से रु० 46,96,560/-की अलग से व्यय की स्वीकृति निर्गत नहीं की जा रही है बल्कि इस धनराशि को शासनादेश संख्या-509/ ix / (65)/ बजट/ प्लान-नॉनप्लान/2007-08 दिनांक 4-4-2007 एवं शासनादेश संख्या-74/ ix / (65)/2007-08 दिनांक 7-8-2007 द्वारा आपके निर्वहन पर रखी गई धनराशि में से ही व्यय किया जायेगा तथा उपर स्लैड कम संख्या-1869 की मरम्मत हेतु पूर्व में स्वीकृत शासनादेश संख्या -180 / ix (25) / अनुरक्षण/EC-135/जॉलीयाण्ट-2005-08 दिनांक 26 सितम्बर 2007 द्वारा स्वीकृत धनराशि धनराशि रु० 9140/-अर्थात् भारतीय मुद्रा में 60/-प्रति यूरो की दर से रु० 5,48,400 को इसमें समावेशित किया जायेगा।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का बैंक/ड्राफ्ट के माध्यम से आहरण कर कम्पनी को भुगतान किया जायेगा।

4- व्यय करने के पूर्व, जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत सार्वजनिक अथवा अन्य सख्त प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अपरय प्राप्त की ली जाये। नितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत निर्देशों पर अनुपालन किया जायेगा। व्यय उन्हीं मामलों में किया जायेगा जिसके लिए यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय करते समय बजट मैनुअल एवं वित्तीय नियम संग्रह में वर्णित समस्त संगत नियत तथा स्टोर धर्चज नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

6- उक्त उपकरणों का कय के सम्बन्ध में शासन के तद्विषयक नियमों का अनुपालन किया जायेगा। उक्त कय के भुगतान को औपचारिकतायें पूर्ण होने के उपरान्त बैंक में दही अवशेष धनराशि 31/3/2008 तक राजकोष में जमा कर दी जायेगी और उक्त अवधि तक उक्त सम्पूर्ण अग्रिम का भी समायोजन कर लिया जायेगा। जो शेष ब्लैड बदल कर नया ब्लैड कय किया जा रहा उसको नियमानुसार निष्प्रयोज्य घोषित कर निस्तारण की कार्यवाही दिनांक 31-3-08 तक करके अर्जित राशि राजकोष में जमा करके शासन को अयगत करा दिया जायेगा।

6- उपर्युक्त के सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 के आय-व्यय की अनुदान संख्या- 24 के अधीन लेखाशीर्षक 3053-नागर दिनामन 80 सामान्य-आयोजनोत्तर-003-प्रशिक्षण तथा शिक्षा-03-नागरिक उड्डयन-00-31-सानग्री और सम्पुर्ति के नामे वाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्या-576/XXVII(2)/2007 दिनांक 29 अक्टूबर 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(पी0सी0 शर्मा)
प्रमुख सचिव।

संख्या-229 ix / 1103/2007 समदिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड औराय मोटर्स बिल्डिंग, गाजरा, देहरादून।
- 2- गरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-2
- 4- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 5- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(दिनोद शर्मा)
अपर सचिव।